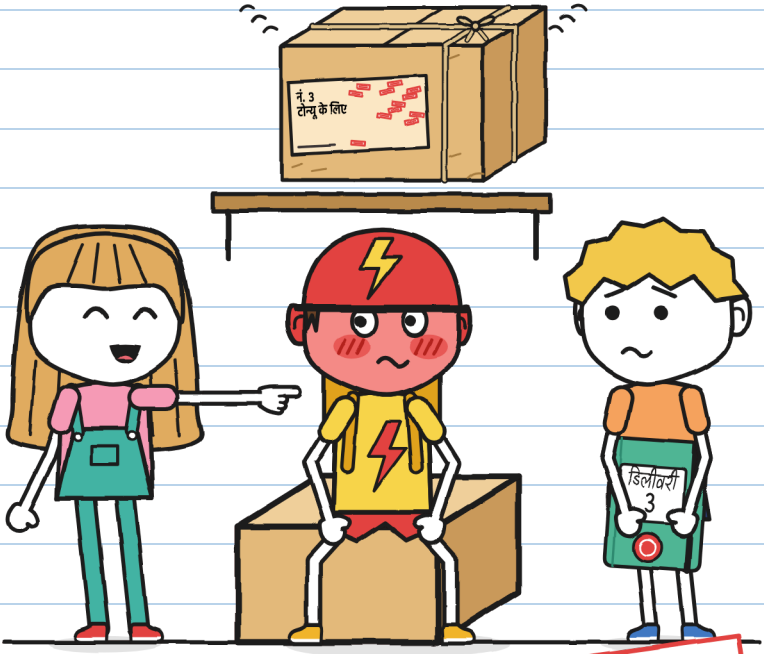
नामुमकिन डिलीवरी · 3

वापस भेजिए, प्लीज़

LinguAula



(मुनी की डायरी)

साइज़ M
मध्यम स्तर · 9+

नामुमकिन डिलीवरी · 3
वापस भेजिए, प्लीज़

लेखन और चित्र: LinguAula

साइज़ M · *मध्यम स्तर* · 9+

हिन्दी संस्करण: LinguAula

पहला संस्करण: 2026

© 2026 LinguAula · info@linguaula.com

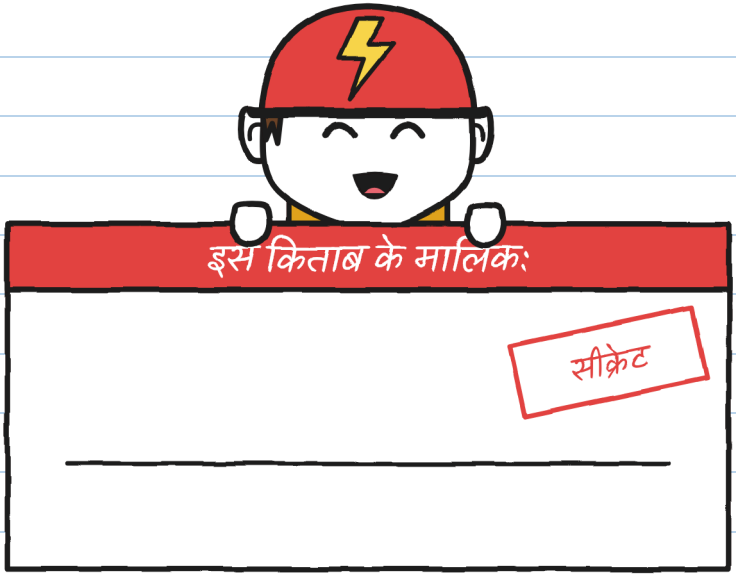
कक्षा और घर के लिए खुलकर फ़ोटोकॉपी कर सकते हैं।

सीरीज़ की तीसरी किताब। पिछली दोनों: "यह पार्सल काटता है" और "बादल गरजने से पहले न खोलें"।

LinguAula

हर अध्याय का अभ्यास linguaula.com *पर करो*

इस किताब को लिखते समय किसी डिलीवरी वाले को चोट नहीं लगी। हाँ, एक लाल ज़रूर पड़ गया। —ज.



और उसे पहले मैं पढ़ती हूँ। –ज.

अगर यह तुम्हें मिल जाए, तो लौटा देना। प्लीज़।

सिर्फ़ कहानी में

यह मुहर उसे चिह्नित करती है जो सिर्फ़ कहानी में होता है: असली पार्सल उड़कर वापस नहीं आते। असली साइकिल हो, तो पेज 76 देखो। –ज.

कौन कौन है



गुनी। शनिवार का डिलीवरी बॉय। ऐसी चीज़ों के चित्र बनाता है जो किसी ने माँगी नहीं। यह डायरी उसी की है।



ज़ूलिता। हरे रंग से लिखती है और "ज." से दस्तख़त करती है। उसे हमेशा पता होता है कि मदद कैसे करनी है। यही तो समस्या है।



टोन्यो। साइकिल पर "बिजली" के लिए डिलीवरी करता है। दस मिनट में या मुफ़्त। हिस्सों में लाल होता है।



माशा। नामुमकिन डिलीवरी की मालकिन। जादूगरनी वाली टोपी पहनती है। जितना बताती है, उससे ज़्यादा जानती है।



ज़ोई। "बिजली" वाली। सबसे तेज़। सबके निकनेम वही रखती है।



ब्रूनो। "बिजली" वाला। एक बार पंक्चर हुआ था। दो साल पहले।



पार्सल नं. 3। हिलाओ तो बजता है। लेबल पर बस एक नाम लिखा है।

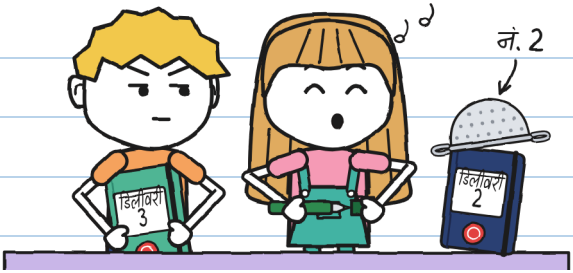


R. की तरफ़ से वे पार्सल भेजे जाते हैं जिन्हें कोई नहीं पहुँचा पाता। कोई उसका नाम नहीं लेता।

डिलीवरी डायरी 3
गुनी की

सीक्रेट।

"सीक्रेट" का मतलब है कि इसे पहले मैं पढ़ती हूँ। और किसी को बताती नहीं। –ज.



डायरी नंबर 2 एक ही तूफ़ान में ख़त्म हो गई। यह हरी है और इस पर भी दुकान की मुहर है। इसे पहले मुझे इस्तेमाल करना था। कर लिया जूलिता ने।

तुम्हारी मदद के लिए मैंने इसे शुरू किया। शुक्रिया नहीं चाहिए। –ज.

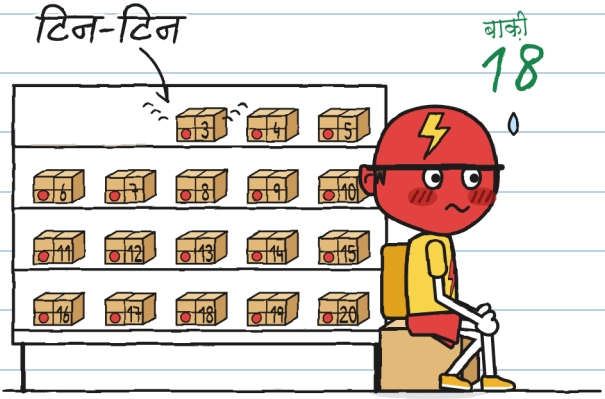
मैंने मदद नहीं माँगी थी। जूलिता के साथ इससे फ़र्क़ नहीं पड़ता।

अध्याय 1

टिन-टिन

मारा की दुकान में कुछ पार्सल हैं जिन्हें कोई नहीं पहुँचा पाया। वे एक शेल्फ़ पर रखे हैं। वे बीस थे। जूलिता और मैंने दो पहुँचा दिए: ड्रैगन का एक अंडा और कुछ भागते हुए बीज। बाक़ी अठारह हैं।

तूफ़ान की रात, जब हम घर जाने ही वाले थे, उन पार्सलों में से एक बज उठा।
टिन-टिन।



वह नं. 3 था। और टोन्यो, जो "बिजली" के लिए दस मिनट में या मुफ़्त डिलीवरी करता है, अपने हेलमेट के रंग जैसा लाल हो गया।

वापस आए पार्सल सुबह होते ही उड़कर अपने शेल्फ़ पर लौट आते हैं, अगर दस्तख़त न हों। सिर्फ़ उसके दस्तख़त चलते हैं जिसे पार्सल मिला है। लेबल पर, कभी न मिटने वाली स्याही से। R. प्रेषक है: वही उन्हें भेजता है।

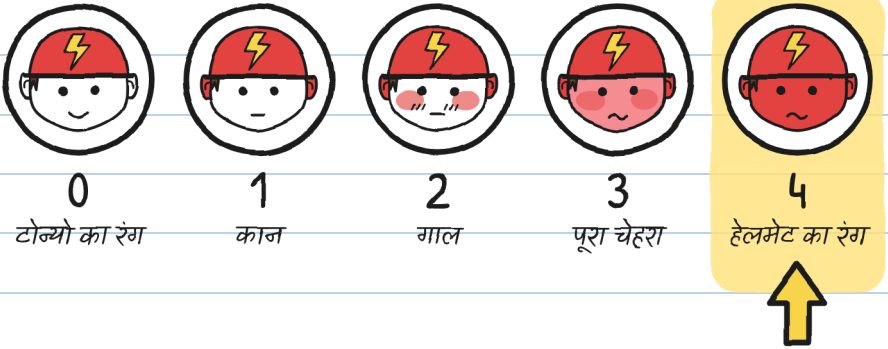


जूलिता लेबल पढ़ने लगी:
"टो..."
और उसने मुँह बंद कर लिया। जूलिता कभी किसी शब्द के बीच में चुप नहीं होती। मैंने टोन्यो को देखा: वह लाल हो रहा था।

मैंने उसे आधा पढ़ा। बाक़ी आधा निगल गई। —ज.

कुछ लोग अचानक लाल हो जाते हैं। टोन्यो नहीं: टोन्यो हिस्सों में लाल होता है। मैंने इसे लिख लिया।

टोन्यो का लाल-मीटर



"वह पार्सल इंतज़ार कर सकता है," टोन्यो ने बहुत जल्दी-जल्दी कहा। "सालों से इंतज़ार ही कर रहा है, है न? तो एक दिन और। या दस। 'बिजली' को कोई जल्दी नहीं है।"
मैंने "बिजली" के किसी इंसान को पहली बार यह कहते सुना था।

उस रात: 4। मैं इसे लाल रंग से लिखूँगी। मेरे पास सिर्फ़ हरा है। –ज.

"आज रात कुछ नहीं खुलेगा," मारा ने कहा। "और शेल्फ़ को बिना इजाज़त कोई नहीं छुएगा।"

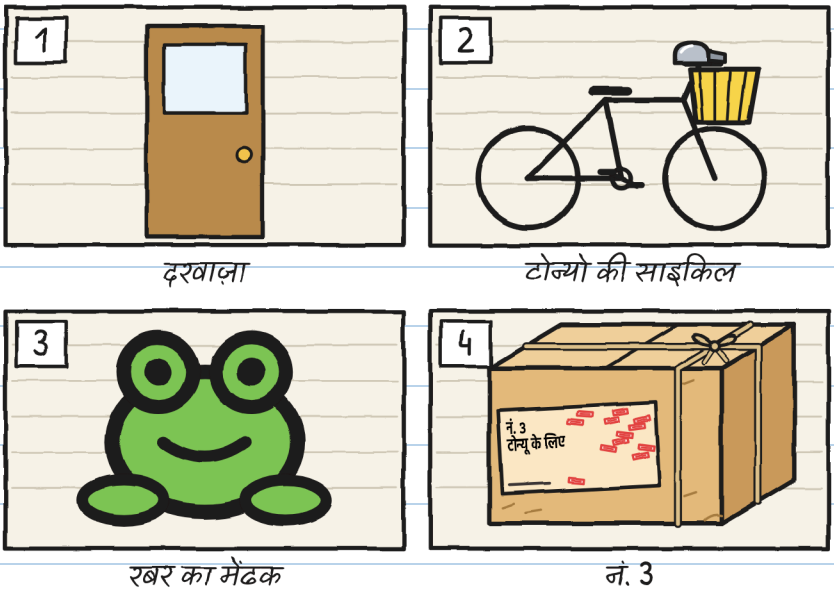
किसी ने उसे नहीं छुआ। टिन-टिन फिर बजा।

टिन-टिन।

"वह दरवाज़ा था!" जूलिता ने कहा।

जब मुझे कुछ समझ नहीं आता, मैं एक लिस्ट बनाता हूँ।

टिन-टिन के संदिग्ध



दरवाज़ा

टोन्यो की साइकिल

रबर का मेंढक

नं. 3

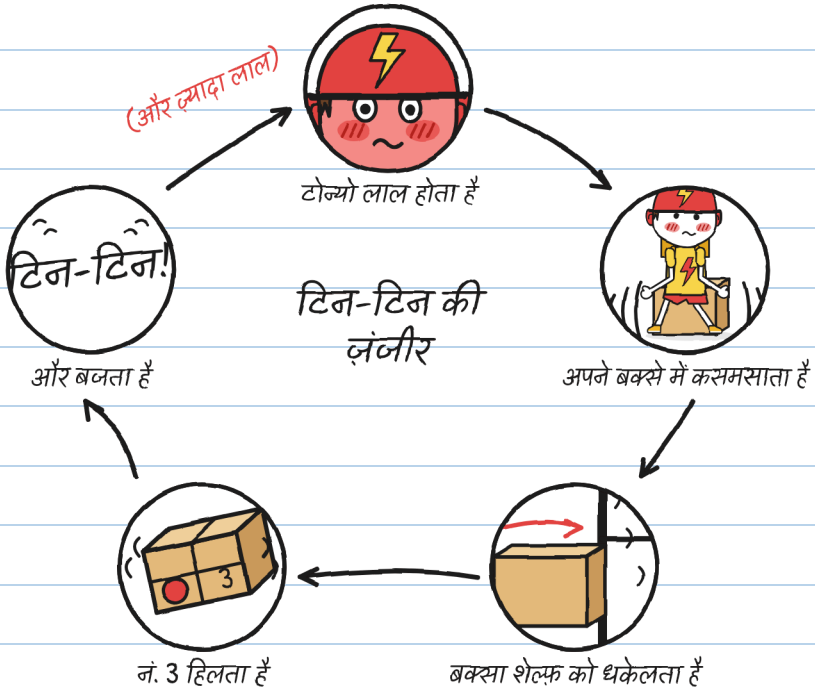
मेंढक बेक़सूर है। मैं उसे जानती हूँ। –ज.

मैं आवाज़ें आज़माने के लिए फ़ुटपाथ पर निकला। बारिश रुक चुकी थी।
मैंने दरवाज़ा खोला और बंद किया: चर्रर्र। टोन्यो की साइकिल की बेल बजाई: ट्रिंग! मैंने मेंढक दबाया: पीं।



अंदर जूलिता उँगली हिलाकर मना कर रही थी। कोई भी आवाज़ वैसी नहीं थी।
मैं अंदर गया। टोन्यो अपने बक्से में बैठा-बैठा कसमसाया।
टिन-टिन।

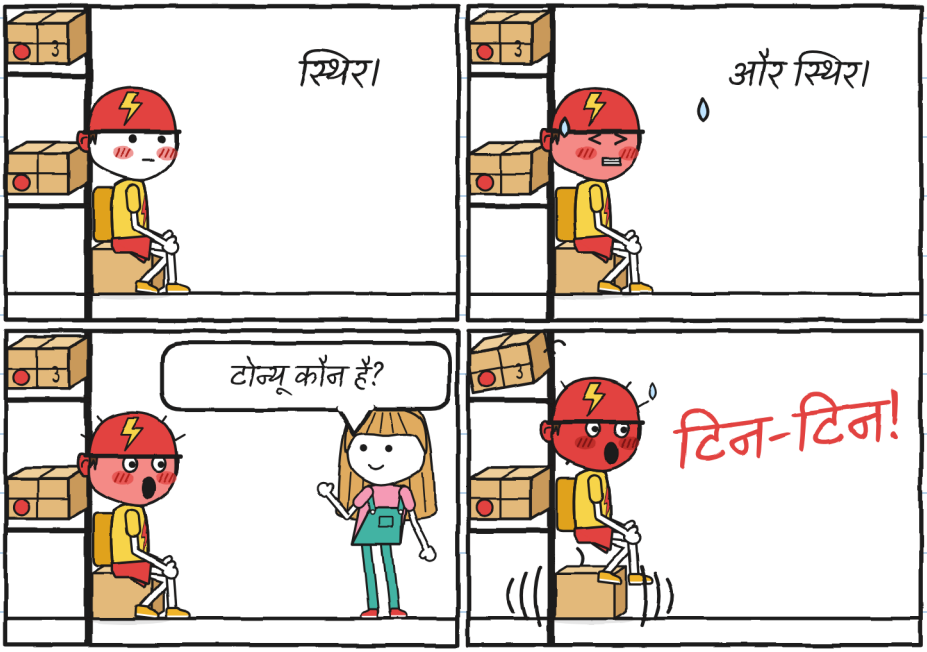
मैं झुका। टोन्यो का बक्सा शेल्फ़ के पाये से टिका हुआ था।



जादू नहीं था। टोन्यो था।
पार्सल हिलाने पर नं. 3 के अंदर कुछ बजता है।

मेरी तरह। –ज.

टोन्यो ने बिना हिले-डुले बैठे रहने का फ़ैसला किया। वह इतनी देर चला:

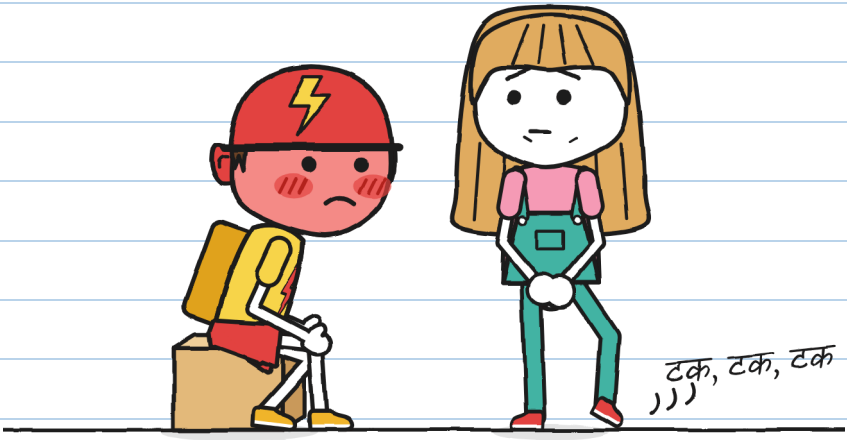


यह तो बस एक सवाल था। सवाल शेल्फ़ को धक्का नहीं देते। –ज.

यह वाला देता है।

"वह मैं था," टोन्यो ने अपने जूतों को देखते हुए कहा। "जब मैं छोटा था।"
उसने इतनी धीरे से कहा कि मुझसे ज़्यादा मेंढक ने सुना।

जूलिता ने मुँह खोला। वह बहुत से सवाल पूछना चाहती थी। उसने टोन्यो को देखा, जो अब भी अपने जूतों को देख रहा था। और मुँह बंद कर लिया।



"मैं और नहीं पूछ रही," जूलिता ने कहा।
उसे मुश्किल हुई। उसके पैर से साफ़ दिखा।

सवाल जो मैंने नहीं पूछे: नौ। मैंने उन्हें लिख रखा है। –ज.

"और आप इसे उसके पास आज तक क्यों नहीं ले गईं?" मैंने मारा से पूछा।
"मैं इसे बारह बार ले गई हूँ। लेबल देखो: न सड़क, न मकान नंबर, न सरनेम। जितने टोन्यू मिले, सबके यहाँ कोशिश की।"

मारा के टोन्यू



1. एक कैनरी।
(लेबल पर पैर रख दिया। नहीं चलेगा।)

2. दादा अंतोनियो, 71 साल।
("काश मैं होता।")

3. नहर की एक नाव।
(उसके हाथ नहीं हैं।)

"और टोन्यो?" जूलिता ने पूछा।
"पिछली बार जब मैंने इसे पहुँचाने की कोशिश की थी, तब मैं टोन्यो को जानती नहीं थी," मारा ने कहा और उसकी तरफ़ देखा। "और किसी ने मुझे बताया नहीं कि बचपन में उसे क्या कहते थे।"

मारा ने काउंटर के नीचे से एक बैंगनी कपड़ा निकाला। उन्होंने नं. 3 को ऐसे ढक दिया जैसे सोने के समय तोते का पिंजरा ढकते हैं। फिर उन्होंने टोन्यो का बक्सा शेल्फ़ से दो बित्ते दूर खिसका दिया।

"ऐसे। अब तुम जितना चाहो हिल सकते हो।"



टोन्यो जा सकता था। उसकी साइकिल दरवाज़े पर थी। दस मिनट में वह मोहल्ले के दूसरे छोर पर हो सकता था।

वह फिर बैठ गया।

पता नहीं क्यों। फिर भी लिख रहा हूँ। उसके बक्से में बैंकरेस्ट नहीं है, इसलिए मैंने उसके लिए एक बना दिया है।

तुमसे किसी ने बैंकरेस्ट नहीं माँगा था। –ज.

दुकान बंद करते समय टोन्यो सबसे आख़िर में रुका और अपने हेलमेट का पट्टा कसने लगा।
"मारा। कल मैं इस बारे में बात करने आऊँगा। पर अकेले में।"
"ये दोनों दुकान के हैं।"
टोन्यो ने हमारी तरफ़ देखा।
"ये दोनों ठीक हैं। पर 'बिजली' का कोई नहीं।"



टिन-टिन को मालिक मिल गया था: टोन्यो। अब यह जानना बाक़ी था कि वह पार्सल चाहता है या नहीं।

उसकी मदद कैसे करनी है, यह मुझे पहले से पता है। –ज.

मुझे इसी बात की चिंता है।

एक कहानी, छह साइज़

इसके छह साइज़ हैं, 3 से 16 साल तक, और 20 से ज़्यादा भाषाएँ। XXS, XS, S, M और L में पन्ने भी वही हैं और चित्र भी वही। XL एक उपन्यास है। बस कहने का तरीक़ा बदलता है।

साइज़ XXS · PRE-A1
मारा और टोन्यो हँसते हैं। क्या तुम्हें लाल साइकिल दिखती है?

साइज़ XS · A1
मारा लगभग हँस पड़ी। टोन्यो भी हँसा। मैंने उसे शनिवार के बाद से हँसते नहीं देखा था।

साइज़ S · A2
मारा ने एक आवाज़ निकाली, लगभग हँसी जैसी। टोन्यो भी हँस पड़ा। मैंने उसे शनिवार के बाद से हँसते नहीं देखा था।

साइज़ M · B1
मारा ने एक आवाज़ निकाली। वह हँसी जैसी थी। टोन्यो भी हँस पड़ा। मैंने उसे शनिवार के बाद से हँसते नहीं देखा था।

साइज़ L · B2
मारा ने ऐसी आवाज़ निकाली जो किसी और के मुँह से हँसी होती। टोन्यो भी हँस पड़ा। मैंने उसे शनिवार के बाद से हँसते नहीं देखा था।

साइज़ XL · B2–C1
सचित्र उपन्यास · 13+

CEFR के स्तर केवल मार्गदर्शन के लिए हैं।

सबका अपना साइज़। टिन-टिन वही। —ज.

परिवारों और शिक्षकों के लिए

हर अध्याय का अभ्यास linguaula.com पर करो